भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या 75

दिनांक 29.11.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा

75. **श्री अरुण कुमार सागरः**

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या अगस्त, 2024 के दौरान बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के विरोध के दौरान हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की कई दर्दनाक घटनाएं हुई हैं, जिनमें हत्या, लूटपाट, आगजनी और महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराध की घटनाएं शामिल हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या हिंदू मंदिरों पर हमला किया गया और उन्हें नुकसान पहुंचाया गया, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार द्वारा बांग्लादेश में रहने वाले हिंदुओं सहित विभिन्न अल्पसंख्यकों के खिलाफ ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति और उनके उत्पीड़न को रोकने और उनके धार्मिक स्थलों को नुकसान से बचाने हेतु पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम उठाया गया है/उठाए जाने का विचार है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विदेश मंत्री

[डॉ.सुब्रह्मण्यम जयशंकर]

(क) से (ङ) विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

*****

"बांग्लादेश में हिंदुओं के विरुद्ध हिंसा" के संबंध में 29.11.2024 को उत्तरार्थ लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *75 के संबंध में भाग (क) से (ङ) के उत्तर में उल्लिखित वक्तव्य।

(क) से (ङ) सरकार ने अगस्त 2024 के माह में हुई हिंसा शामिल है। बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों, उनके घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं तथा मंदिरों/धार्मिक स्थलों पर हमलों से संबन्धित कई रेपोर्टें देखी हैं जिसमें सरकार ने इन घटनाओं को गंभीरता से लिया है तथा बांग्लादेश सरकार के साथ अपनी चिंताएं साझा की हैं।

बांग्लादेश में हाल ही में दुर्गा पूजा उत्सव के दौरान मंदिरों और पूजा मंडपों पर हमलों की खबरें भी सामने आईं हैं। सरकार ने 2024 की दुर्गा पूजा के दौरान ढाका के तांतीबाजार में पूजा मंडप पर हमले और सतखीरा में जेशोरेश्वरी काली मंदिर में चोरी के संबंध में अपनी गंभीर चिंता व्यक्त की थी। इन हमलों के बाद, बांग्लादेश सरकार ने सेना और सीमा सुरक्षा बांग्लादेश की तैनाती सहित विशेष सुरक्षा प्रदान करने के निर्देश जारी किए थे, ताकि दुर्गा पूजा के शांतिपूर्ण समारोह को सुनिश्चित किया जा सके।

ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग, बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों से संबंधित स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है। अल्पसंख्यकों सहित बांग्लादेश के सभी नागरिकों के जीवन और स्वतंत्रता की सुरक्षा की जिम्मेदारी मुख्य रूप से बांग्लादेश सरकार पर है।

*****